विषय - वस्तु

पृष्ठ संख्या

- श्री गणेश जी की आरती 1
- श्री दुर्गा सप्तशती संपूर्ण 2
- श्री नवदुर्गा मंत्र 6
- श्री मां दुर्गा जी की आरती 8
- श्री मां काली जी की आरती 10
- श्री मां लक्ष्मी जी की आरती 11
- श्री कुंज बिहारी जी की आरती 12
- श्री रामचन्द्र जी की आरती 14
- श्री विष्णु जी की आरती 15
- श्री शिव जी की आरती 16
- श्री विश्वकर्मा जी की आरती 17
- श्री हनुमान चालिसा 18
- श्री हनुमान जी की आरती 20
- श्री शनिदेव जी की आरती 21
- श्री मां सरस्वती जी की आरती 22
- श्री साईंबाबा जी की आरती 23
- श्री मां सरस्वती जी की आरती 24
- श्री चित्रगुप्त महाराज जी की आरती 26
- श्री सूर्यदेव जी की आरती 27
- श्री तुलसी जी की आरती 28

WE DEAL IN : • Water Treatment Systems • Air Conditioners • Air Coolers • Fans • Geysers • Room Heaters • Chimneys • Cooktops • Kitchen Appliances • Beauty Care

Panasonic · BAJAJ · HAVELLS · USHA · Aquionics · orient electric · PHILIPS · Sunflame · KENT Mineral RO · KENSTAR

ANKIT TRADERS

Beside Hotel Arya, H.B Road, Lalpur, Ranchi - 01

Tel. : 0651-2563896, 9334405237, 9534186874

।। श्री गणेश जी की आरती ।।

जय गणेश जय गणेश जय गणेश देवा ।
माता जा की पार्वती, पिता महादेवा ॥ जय.
एकदन्त दयावन्त चार भुजाधारी
माथे पर तिलक सोहे मूसे की सवारी ।। जय.
अन्धन को आँख देत, कोढ़िन को काया।
बाँझन को पुत्र देत, निर्धन को माया ।। जय.
हार चढ़े, फूल चढ़ और चढ़े मेवा
लड्डुअन का भोग लगे सन्त करे सेवा ॥ जय.
दीनन की लाज राखो, शम्भु पुत्र वारी।
मनोरथ को पूरा करो, जय बलिहारी।।
जय गणेश जय गणेश जय गणेश देवा ।
माता जा की पार्वती, पिता महादेवा ॥

।। श्री दुर्गा जी की आरती ।।

जय अम्बे गौरी, मैया जय श्यामा गौरी,
तुमको निशदिन ध्यावत, हरि ब्रह्मा शिवरी।
मांग सिंदूर विराजत, टीको मृगमद को,
उज्ज्वल से दोउ नैना, चंद्रवदन नीको॥
कनक समान कलेवर, रक्ताम्बर राजै,
रक्तपुष्प गल माला, कंठन पर साजै॥
केहरि वाहन राजत, खड्ग खप्पर धारी,
सुर-नर-मुनिजन सेवत, तिनके दुखहारी॥
कानन कुण्डल शोभित, नासाग्रे मोती,
कोटिक चंद्र दिवाकर, सम राजत ज्योती॥
शुंभ-निशुंभ बिदारे, महिषासुर घाती,
धूम्र विलोचन नैना, निशदिन मदमाती॥
चण्ड-मुण्ड संहारे, शोणित बीज हरे,
मधु-कैटभ दोउ मारे, सुर भयहीन करे॥
ब्रह्माणी, रूद्राणी, तुम कमला रानी,
आगम निगम बखानी, तुम शिव पटरानी॥
चौंसठ योगिनी मंगल गावत, नृत्य करत भैरों,
बाजत ताल मृदंगा, अरू बाजत डमरू॥
तुम ही जग की माता, तुम ही हो भरता,
भक्तन की दुख हरता, सुख संपति करता॥
भुजा चार अति शोभित, खडग खप्पर धारी,
मनवांछित फल पावत, सेवत नर नारी॥
कंचन थाल विराजत, अगर कपूर बाती,
श्रीमालकेतु में राजत, कोटि रतन ज्योती॥
श्री अंबेजी की आरति, जो कोइ नर गावे,
कहत शिवानंद स्वामी, सुख-संपति पावे॥

।। श्री काली मैया की आरती ।।

अम्बे तू है जगदम्बे काली, जय दुर्गे खप्पर वाली।
तेरे ही गुण गायें भारती, ओ मैया हम सब उतारें तेरी आरती।।
तेरे भक्त जनों पे माता, भीर पड़ी है भारी।
दानव दल पर टूट पडो माँ, करके सिंह सवारी।।
सौ सौ सिंहों से तु बलशाली, दस भुजाओं वाली।
दुखियों के दुखडें निवारती, ओ मैया हम सब उतारें तेरी आरती।
माँ बेटे का है इस जग में, बडा ही निर्मल नाता।
पूत कपूत सूने हैं पर, माता ना सुनी कुमाता।
सब पर करुणा दरसाने वाली, अमृत बरसाने वाली।
दुखियों के दुखडे निवारती, ओ मैया हम सब उतारें तेरी आरती।
नहीं मांगते धन और दौलत, न चाँदी न सोना।
हम तो मांगे माँ तेरे मन में, इक छोटा सा कोना।।
सबकी बिगडी बनाने वाली, लाज बचाने वाली।
सतियों के सत को संवारती, ओ मैया हम सब उतारें तेरी आरती।।
अम्बे तू है जगदम्बे काली, जय दुर्गे खप्पर वाली।
तेरे ही गुण गायें भारती, ओ मैया हम सब उतारें तेरी आरती।।

।। श्री लक्ष्मी जी की आरती ।।

ॐ जय लक्ष्मी माता, मैया जय लक्ष्मी माता
तुम को निस दिन सेवत, मैयाजी को निस दिन सेवत
हर विष्णु विधाता। ॐ जय लक्ष्मी माता ..
उमा रमा ब्रह्माणी, तुम ही जग माता। ओ मैया तुम ही जग माता .
सूर्य चन्द्र माँ ध्यावत, नारद ऋषि गाता।। ॐ जय लक्ष्मी माता ..
दुर्गा रूप निरन्जनि, सुख सम्पति दाता। ओ मैया सुख सम्पति दाता .
जो कोई तुम को ध्यावत, ऋद्धि सिद्धि धन पाता।। ॐ जय लक्ष्मी माता ..
तुम पाताल निवासिनि, तुम ही शुभ दाता। ओ मैया तुम ही शुभ दाता .
कर्म प्रभाव प्रकाशिनि, भव निधि की दाता।। ॐ जय लक्ष्मी माता ..
जिस घर तुम रहती तहँ सब सद्गुण आता। ओ मैया सब सद्गुण आता .
सब संभव हो जाता, मन नहीं घबराता।। ॐ जय लक्ष्मी माता ..
तुम बिन यज्ञ न होते, वस्त्र न कोई पाता। ओ मैया वस्त्र न कोई पाता .
खान पान का वैभव, सब तुम से आता।। ॐ जय लक्ष्मी माता ..
शुभ गुण मंदिर सुंदर, क्षीरोदधि जाता। ओ मैया क्षीरोदधि जाता .
रत्न चतुर्दश तुम बिन, कोई नहीं पाता।। ॐ जय लक्ष्मी माता ..

True Value EXCHANGE

MARUTI SUZUKI
Way of Life!

SUDHA MOTORS

Sudha Motors
(Authorised Maruti Suzuki Dealer)
Experience a new way of owning a Maruti

EASY FINANCE AVAILABLE
WORLD CLASS WORKSHOP
EXCHANGE YOUR OLD CAR
INSURANCE RENEWAL

SHOWROOM 1
Hehal, Ratu Road
Ranchi
Call : +91 8227996611

WORKSHOP
Hehal, Ratu Road, Ranchi
Call: 918227996660
Helpline No.: +91 8227996641

SHOWROOM 2
Siromtoli
Ranchi
Call: +91 8227996622

।। श्री कुंज बिहारी जी की आरती ।।

आरती कुंज बिहारी की, श्री गिरिधर कृष्ण मुरारी की
गले में वैजन्ती माला, बजावे मुरली मधुर बाला
श्रवण में कुंडल झलकता, नन्द के आनंद नंदलाला
श्री गिरिधर कृष्ण मुरारी की।।
गगन सम अंग कांटी काली, श्री राधा चमक रही आली
भ्रमर सम अलक, कस्तुरी तिलक, चन्द्र सी झलक
अमित छवि श्यामा प्यारी की, श्रीगिरीधर कृष्णमुरारी की
कनकमय मोर मुकुट बिलसै, देवता दर्शन को तरसे
गगन सूं सुमन बहुत बरसै।।
बजे मुखहचंग, और मृदंग, ग्वालिनी संग
लाज रख गोप्कुमारी की, श्री गिरिधर कृष्ण मुरारी की
जहाँ सूं निकली भावः गंगा, या कलि मल हरनी श्री गंगा
सोई युग चरन, कमल के वरन, लही हम शरन
राधिका गौर श्याम पद की, की छवि निरखूं बनवारी की
आरती कुंज बिहारी की; श्री गिरिधर कृष्ण मुरारी की।

।। श्री रामचन्द्र जी की आरती ।।

श्री रामचन्द्र कृपालु भजु मन हरण भव भय दारुणं।
नव कंजलोचन, कंज - मुख, कर - कंज, पद कंजारुणं।।
कंन्दर्प अगणित अमित छबि नवनील - नीरद सुन्दरं।
पटपीत मानहु तडित रूचि शुचि नौमि जनक सुतवरं।।
भजु दीनबंधु दिनेश दानव - दैत्यवंश - निकन्दंन।
रघुनन्द आनंदकंद कौशलचन्द दशरथ - नन्दनं।।
सिरा मुकुट कुंडल तिलक चारू उदारु अंग विभूषां।
आजानुभुज शर - चाप - धर सग्राम - जित - खरदूषणमं।।
इति वदति तुलसीदास शंकर - शेष - मुनि - मन रंजनं।
मम ह्रदय - कंच निवास कुरु कामादि खलदल - गंजनं।
मनु जाहिं राचेउ मिलहि सो बरु सहज सुन्दर साँवरो।
करुना निधान सुजान सिलु सनेहु जानत रावरो।
एही भाँति गौरि असीस सुनि सिया सहित हियँ हरषीं अली।
तुलसी भवानिहि पूजी पुनिपुनि मुदित मन मन्दिरचली।

Mobile : 9430390373,
9431184212

पारस टीवी पर रात्रि 11 बजे से 11:30 बजे तक लाईव
देखें एयरटेल 696, टाटा स्काई 188, विडियोकॉन 485
वर्ल्डकप, मुख्यमंत्री, प्रधानमंत्री, लोकसभा एवं
विधानसभा की चुनावी भविष्यवाणियां सत्य हुई

प्रत्येक माह 1 से 5 तक रांची में

ज्योतिष सम्राट
आचार्य शिवानंद जी
Gold Medalist
राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित

परामर्श शुल्क : 2100/-
आजीवन शुल्क : 5100/-

Sunday Open

शाखा : कलकत्ता, पटना, दिल्ली, मुम्बई, अहमदाबाद
विवाह, प्रेम विवाह, नौकरी, कैरियर, दाम्पत्य एवं संतान सखु के लिए संपर्क करें

जयपुर रत्न मंदिर, बाबा टावर, (गुरुद्वारा के सामने) मेन रोड, रांची

॥ श्री विष्णु जी की आरती ॥

ॐ जय जगदीश हरे, स्वामी जय जगदीश हरे ।
भक्त जनों के संकट,
दास जनों के संकट, क्षण में दूर करे ।।
ॐ जय जगदीश हरे.
मात पिता तुम मेरे, शरण गहूं मैं किसकी।
तुम बिन और न दूजा, आस करूं मैं किसकी ।।
ॐ जय जगदीश हरे। ॐ जय जगदीश हरे.
जो ध्यावे फल पावे, दुख बिनसे मन का ।
सुख सम्पति घर आवे, कष्ट मिटे तन का ।।
तुम पूरण परमात्मा, तुम अंतरयामी।
पारब्रह्म परमेश्वर, तुम सब के स्वामी।।
तुम करुणा के सागर, तुम पालनकर्ता ।
मैं सेवक तुम स्वामी, कृपा करो भर्ता ।।
तुम हो एक अगोचर, सबके प्राणपति।
किस विधि मिलूं दयामय, तुमको मैं कुमति ।।
दीनबंधु दुखहर्ता, तुम रक्षक मेरे ।
करुणा हस्त बढ़ाओ, द्वार पड़ा तेरे ।।
विषय विकार मिटाओ, पाप हरो देवा ।
श्रद्धा भक्ति बढ़ाओ, संतन की सेवा ।।
ॐ जय जगदीश हरे, स्वामी जय जगदीश हरे।।

।। श्री शिव जी की आरती ।।

ॐ जय शिव ओंकारा, स्वामी जय शिव ओंकारा।
ब्रह्मा विष्णु सदा शिव अर्द्धांगी धारा। ॐ जय शिव ओंकारा।
एकानन चतुरानन पंचानन राजे।
एकानन, गरुड़ासन, वृषवाहन साजे।। ॐ जय शिव ओंकारा।
दो भुज चारु चतुर्भज दस भुज अति सोहें।
तीनों रुप निरखता त्रिभुवन जन मोहें।। ॐ जय शिव ओंकारा।
अक्षमाला, बनमाला, रुण्ड़मालाधारी।
चंदन, मृदमग सोहें, भाले शशिधारी।। ॐ जय शिव ओंकारा।
श्वेताम्बर,पीताम्बर, बाघाम्बर अंगें।
सनकादिक, ब्रम्हादिक, भूतादिक संगें।। ॐ जय शिव ओंकारा।
कर के मध्य कमड़ंल चक्र, त्रिशूल धरता।
जगकर्ता, जगभर्ता, जगसंहारकर्ता।। ॐ जय शिव ओंकारा।
ब्रम्हा विष्णु सदाशिव जानत अविवेका।
प्रवणाक्षर मध्यें ये तीनों एका।। ॐ जय शिव ओंकारा।
काशी में विश्वनाथ विराजत नन्दी ब्रम्हचारी।
नित उठी भोग लगावत महिमा अति भारी।। ॐ जय शिव ओंकारा।
त्रिगुण शिवजी की आरती जो कोई नर गावें।
कहत शिवानंद स्वामी मनवांछित फल पावें।। ॐ जय शिव ओंकारा।
जय शिव ओंकारा हर ॐ शिव ओंकारा।
ब्रम्हा विष्णु सदाशिव अद्धांगी धारा।। ॐ जय शिव ओंकारा।

।। श्री विश्वकर्मा जी की आरती ।।

ॐ जय श्री विश्वकर्मा प्रभु जय श्री विश्वकर्मा।
सकल सृष्टि के कर्ता रक्षक श्रुति धर्मा।।
आदि सृष्टि में विधि को श्रुति उपदेश दिया ।
जीव मात्र का जग में ज्ञान विकास किया।।
ऋषि अंगिरा तप से शांति नही पाई ।
रोग ग्रस्त राजा ने जब आश्रय लीन्हा ।
संकट मोचन बनकर दूर दुःख कीन्हा।।
जय श्री विश्वकर्मा, प्रभु जय श्री विश्वकर्मा।
जब रथकार दम्पती ने तुमरी टेर करी ।
सुनकर दीन प्रार्थना विपत्ति हरी सगरी।।
एकानन चतुरानन पंचानन राजे।
द्विभुज चतुर्भुज दशभुज सकल रुप साजे।।
ध्यान धरे तब पद का सकल सिद्वि आवे।
मन दुविधा मिट जावे अटल शांति पावे।।
श्री विश्वकर्मा जी की आरती जो कोई गावे।
भगज गजानन स्वामी सुख सम्पत्ति पावे।।
जय श्री विश्वकर्मा, प्रभु जय श्री विश्वकर्मा।

फोर्स मोटर्स पेश करते हैं
सबसे टिकाउ एवं कमाऊ गाड़ियाँ

FORCE MOTORS

•भारत की सर्वाधिक लोकप्रिय सवारी गाड़ी •तीन लाख किलोमीटर/ तीन साल की वारंटी •सर्वाधिक माईलेज •आसान फाइनांस की सुविधा •13+D सिटिंग कैपेसिटी

•मोनोकॉक बॉडी • मर्सिडीज लाईसेंस्ड कॉमन रेल इंजन •6 फिट स्टैन्डींग हाईट • ए.बी.एस एवं ई.बी.डी. के साथ उपलब्ध •13+D से 26+D सिटिंग कैपेसिटी •एसी एवं नॉन-एसी में उपलब्ध •डेढ़ लाख किलोमीटर/ डेढ़ साल की वारंटी

अधिकृत डीलर

रिलाइबल ऑटोमोबाइल्स प्रा. लि.

सिमलिया रिंग रोड, हाजी चौक के पास रातु, राँची- 835222

0651-2902418, 9771488404, 9771488405, 9771480570, 9771466854, 9162121666

Email- reiiableforce.ranchi@gmail.com

श्री हनुमान चालिसा

॥दोहा॥

श्रीगुरु चरन सरोज रज निज मनु मुकुरु सुधारि ।
बरनउँ रघुबर बिमल जसु जो दायकु फल चारि ॥
बुद्धिहीन तनु जानिके सुमिरौं पवन-कुमार ।
बल बुधि बिद्या देहु मोहिं हरहु कलेस बिकार ॥

॥चौपाई॥

जय हनुमान ज्ञान गुन सागर ।
जय कपीस तिहुँ लोक उजागर ॥1॥

राम दूत अतुलित बल धामा ।
अञ्जनि-पुत्र पवनसुत नामा ॥2॥

महाबीर बिक्रम बजरङ्गी ।
कुमति निवार सुमति के सङ्गी ॥3॥

कञ्चन बरन बिराज सुबेसा ।
कानन कुण्डल कुञ्चित केसा ॥4॥

हाथ बज्र औ ध्वजा बिराजै ।
काँधे मूँज जनेउ साजै ॥5॥

सङ्कर सुवन केसरीनन्दन ।
तेज प्रताप महा जग बन्दन ॥6॥

बिद्यावान गुनी अति चातुर ।
राम काज करिबे को आतुर ॥7॥

प्रभु चरित्र सुनिबे को रसिया ।
राम लखन सीता मन बसिया ॥8॥

सूक्ष्म रूप धरि सियहिं दिखावा ।
बिकट रूप धरि लङ्क जरावा ॥9॥

भीम रूप धरि असुर सँहारे ।
रामचन्द्र के काज सँवारे ॥10॥

लाय सञ्जीवन लखन जियाये ।
श्रीरघुबीर हरषि उर लाये ॥11॥

रघुपति कीह्नी बहुत बड़ाई ।
तुम मम प्रिय भरतहि सम भाई ॥12॥

सहस बदन तुह्मारो जस गावैं ।
अस कहि श्रीपति कण्ठ लगावैं ॥13॥

सनकादिक ब्रह्मादि मुनीसा ।
नारद सारद सहित अहीसा ॥14॥

जम कुबेर दिगपाल जहाँ ते ।
कबि कोबिद कहि सके कहाँ ते ॥15॥

श्री हनुमान चालिसा

तुम उपकार सुग्रीवहिं कीह्ना ।
राम मिलाय राज पद दीह्ना ॥16॥

तुह्मरो मन्त्र बिभीषन माना ।
लङ्केस्वर भए सब जग जाना ॥17॥

जुग सहस्त्र जोजन पर भानु ।
लील्यो ताहि मधुर फल जानू ॥18॥

प्रभु मुद्रिका मेलि मुख माहीं ।
जलधि लाँधि गये अचरज नाहीं ॥19॥

दुर्गम काज जगत के जेते ।
सुगम अनुग्रह तुह्मरे तेते ॥20॥

राम दुआरे तुम रखवारे ।
होत न आज्ञा बिनु पैसारे ॥21॥

सब सुख लहै तुह्मारी सरना ।
तुम रच्छक काहू को डर ना ॥22॥

आपन तेज सह्मारो आपै ।
तीनों लोक हाँक तें काँपै ॥23॥

भूत पिसाच निकट नहिं आवै ।
महाबीर जब नाम सुनावै ॥24॥

नासै रोग हरै सब पीरा ।
जपत निरन्तर हनुमत बीरा ॥25॥

सङ्कट तें हनुमान छुड़ावै ।
मन क्रम बचन ध्यान जो लावै ॥26॥

सब पर राम तपस्वी राजा ।
तिन के काज सकल तुम साजा ॥27॥

और मनोरथ जो कोई लावै ।
सोई अमित जीवन फल पावै ॥28॥

चारों जुग परताप तुह्मारा ।
है परसिद्ध जगत उजियारा ॥29॥

साधु सन्त के तुम रखवारे ।
असुर निकन्दन राम दुलारे ॥30॥

अष्टसिद्धि नौ निधि के दाता ।
अस बर दीन जानकी माता ॥31॥

राम रसायन तुह्मरे पासा ।
सदा रहो रघुपति के दासा ॥32॥

तुह्मरे भजन राम को पावै ।
जनम जनम के दुख बिसरावै ॥33॥

अन्त काल रघुबर पुर जाई ।
जहाँ जन्म हरिभक्त कहाई ॥34॥

और देवता चित्त न धरई ।
हनुमत सेइ सर्ब सुख करई ॥35॥

सङ्कट कटै मिटै सब पीरा ।
जो सुमिरै हनुमत बलबीरा ॥36॥

जय जय जय हनुमान गोसाईं ।
कृपा करहु गुरुदेव की नाईं ॥37॥

जो सत बार पाठ कर कोई ।
छूटहि बन्दि महा सुख होई ॥38॥

॥दोहा॥

पवनतनय सङ्कट हरन मङ्गल मूरति रूप ।
राम लखन सीता सहित हृदय बसहु सुर भूप ॥

।। श्री हनुमान जी की आरती ।।

आरती कीजै हनुमान लला की। दुष्ट दलन रघुनाथ कला की॥
जाके बल से गिरिवर कांपे। रोग दोष जाके निकट न झांके॥
अंजनि पुत्र महाबल दाई। सन्तन के प्रभु सदा सहाई॥
दे बीरा रघुनाथ पठाए। लंका जारि सिया सुधि लाए॥
लंका सो कोट समुद्र-सी खाई। जात पवनसुत बार न लाई॥
लंका जारि असुर संहारे। सियारामजी के काज सवारे॥
लक्ष्मण मूर्छित पड़े सकारे। आनि संजीवन प्राण उबारे॥
पैठि पाताल तो रिजम-कारे। अहिरावण की भुजा उखारे॥
बाएं भुजा असुर दल मारे। दाहिने भुजा संतजन तारे॥
सुर नर मुनि आरती उतारें। जय जय जय हनुमान उचारें॥
कंचन थार कपूर लौ छाई। आरती करत अंजना माई॥
जो हनुमानजी की आरती गावे। बसि बैकुण्ठ परम पद पावे॥

न्यू दास म्युजिकल स्टोर्स
Rinku
New Das Musical Stores

6 मॉडल

Deals in :
YAMAHA AHUJA BOSS Basix ZOOM
CASIO PAiSTe Fender MAPEX Gibson
ESP DigiTech Pluto KORG M-AUDIO
Ibanez Soundx Zildjian Roland Studiomaster
Hertz Epiphone GRANADA Cort behringer
Givson stranger TAMA

Opp. Sankat Mochan Hanuman Mandir, Main Road, Ranchi (Jharkhand) | Ph:- 0651-2201778, Mob:- 98351-64815, 72509-33033

।। श्री शनि देव जी की आरती ।।

जय जय रविनन्दन जय दुःख भंजन
जय-जय शनि हरे।। जय.।।
जय भुजचारी, धारणकारी, दुष्ट दलन।।
तुम होत कुपित, नित करत दुखी, धनी को निर्धन।।
तुम धर अनुप यम का स्वरूप हो, कटत बंधन।।
तब नाम जो दस तोहि करत सो बस, जो करे रटन।।
महिमा अपार जग में तुम्हारे, जपते देवतन।।
सब नैन कठिन नित बरे अग्नि, भैंसा वाहन।।
प्रभु तेज तुम्हारा अति हिंकरारा, जानत सब जन।।
प्रभु शनि दान से तुम महान, होते हो मगन।।
प्रभु उदित नारायण शीश, नवायन धरे चरण।।
जय जय शनि हरे।

ॐ।। जय शनि देव ।।

गठिया व बात दर्द

शरीर में किसी भी प्रकार का दर्द (वर्षों पुराना) झिनझीनी, दर्द, साइटिका, जोड़ों का दर्द से परेशान मरीज जो विभिन्न प्रकार के दवाओं एवं तेल मालिश कर थक चूके हों वो एकबार अवश्य संपर्क करें।

स्त्री रोग

बच्चेदानी की गांठ (सिष्ट), स्तन गांठ, बिना ऑपरेशन सिर्फ दवा द्वारा समाप्त करें। मासिक की समस्या, ल्यूकोरिया, सफेद एवं रक्त प्रदर, वर्षों से पीड़ित महिलाएं सफल ईलाज के लिए एकबार अवश्य संपर्क करें।

मिर्गी

मिर्गी अब लाइलाज नहीं, मिर्गी से पीड़ित व्यक्ति जो हर तरह का दवा खाकर थक चूके हो फिर भी ठीक न हुआ तो ऐसे मरीज एक बार अवश्य मिलें। हमारे दवा के सेवन से कुछ ही दिनों में हमेशा-हमेशा के लिए रोग से छुटकारा पायें।

पथरी

पित्त की थैली, किडनी, मूत्राशय थैली एवं रास्ते की पथरी 1 mm से 100 mm तक की पथरी हमारी दवा द्वारा जड़ से समाप्त करें। शरीर अमूल्य है इसे चिर फाड़ ना करायें। ठीक किये हुए मरीजों के पते एवं जांच रिपोर्ट क्लिनिक आकर देख सकते हैं।

डायविटीज

ऐसे रोगी जो शुगर रोग से पीड़ित है, जो मरीज इन्सुलिन एवं विभिन्न प्रकार के दवा का सेवन कर थक चुके हों वे हमारी दवा के सेवन से कुछ ही दिनों में इन्सुलिन से छुटकारा पायें। एकबार अवश्य संपर्क करें।

पेट रोग

ऐसे मरीज जो वर्षों से पेट की विभिन्न बिमारियों से पीड़ित हैं जैसे गैस, जलन, खट्टा-मिठा ढेकार, जी मचलना, भूख की कमी, गोला, पेट दर्द इत्यादि बिमारी के लिए विभिन्न प्रकार की चूर्ण गोली खाकर थक चुके हैं वैसे मरीज एकबार अवश्य मिलें।

आयुर्वेदाचार्य डॉ. विजय कुमार (B.A.M.S.)

International Certificate & Excellency Award in Natural Medicine

आयुर्वेद क्लिनिक, दलादिली चौक, रिंग रोड, नियर कटहल मोड़, रांची (झारखण्ड)

Mobile : 9709933912, 7739702233, 763108506

E-mail : drvijaykumarclinic@gmail.com

अन्य रोग

एग्जिमा, सफेद दाग, सोराइसिस, चश्में से छुटकारा, पेट रोग, थाईराइड, मोटापा, दिमागी रोग, हृदय रोग, दवा, बवासीर, हर्निया, एपेन्डिक्स, हाथीपांव इत्यादि बिमारियों के सफल इलाज हेतू मिलें।

।। श्री सन्तोषी माता जी की आरती ।।

जय सन्तोषी माता, मैया जय सन्तोषी माता।
अपने सेवक जन को, सुख सम्पत्ति दाता।। जय सन्तोषी माता, मैया जय सन्तोषी माता।
सुन्दर चीर सुनहरी माँ धारण कीन्हों।
हीरा पन्ना दमके, तन श्रृंगार कीन्हों।। जय सन्तोषी माता, मैया जय सन्तोषी माता।
गेरू लाल छटा छवि, बदन कमल सोहे।
मन्द हंसत करुणामयी, त्रिभुवन मन मोहे।। जय सन्तोषी माता, मैया जय सन्तोषी माता।
स्वर्ण सिंहासन बैठी, चंवर ढुरें प्यारे।
धूप दीप मधुमेवा, भोग धरें न्यारे।। जय सन्तोषी माता, मैया जय सन्तोषी माता।
गुड़ अरु चना परमप्रिय, तामे संतोष कियो।
सन्तोषी कहलाई, भक्तन वैभव दियो।। जय सन्तोषी माता, मैया जय सन्तोषी माता।
शुक्रवार प्रिय मानत, आज दिवस सोही।
भक्त मण्डली छाई, कथा सुनत मोही।। जय सन्तोषी माता, मैया जय सन्तोषी माता।
मन्दिर जगमग ज्योति, मंगल ध्वनि छाई।
विनय करें हम बालक, चरनन सिर नाई।। जय सन्तोषी माता, मैया जय सन्तोषी माता।
भक्ति भावमय पूजा, अंगीकृत कीजै।
जो मन बसै हमारे, इच्छा फल दीजै।। जय सन्तोषी माता, मैया जय सन्तोषी माता।
दुखी दरिद्री, रोग, संकट मुक्त किये।
बहु धन-धान्य भरे घर, सुख सौभाग्य दिये।। जय सन्तोषी माता, मैया जय सन्तोषी माता।
ध्यान धर्यो जिस जन ने, मनवांछित फल पायो।
पूजा कथा श्रवण कर, घर आनन्द आयो।। जय सन्तोषी माता, मैया जय सन्तोषी माता।
शरण गहे की लज्जा, राखियो जगदम्बे।
संकट तू ही निवारे, दयामयी अम्बे।। जय सन्तोषी माता, मैया जय सन्तोषी माता।
सन्तोषी माता की आरती, जो कोई जन गावे।
ऋद्धि-सिद्धि, सुख-सम्पत्ति, जी भरकर पावे।। जय सन्तोषी माता, मैया जय सन्तोषी माता।

।। श्री सूर्यदेव जी की आरती ।।

ॐ जय कश्यप नन्दन, ॐ जय अदिति नन्दन।
त्रिभुवन तिमिर निकंदन, भक्त हृदय चन्दन।। ॐ जय.....
सप्त अश्वरथ राजित, एक चक्रधारी।
दुखहारी, सुखकारी, मानस मल हारी।। ॐ जय.....
सुर मुनि भूसुर वन्दित, विमल विभवशाली।
अघ दल दलन दिवाकर, दिव्य किरण माली।। ॐ जय.....
सकल सुकर्म प्रसविता, सविता शुभकारी।
विश्व विलोचन मोचन, भव-बंधन भारी।। ॐ जय.....
कमल समूह विकासक, नाशक त्रय तापा।
सेवत सहज हरत अति, मनसिज संतापा।। ॐ जय.....
नेत्र व्याधि हर सुरवर, भू-पीड़ा हारी।
वृष्टि विमोचन संतत, परहित व्रतधारी।। ॐ जय.....
सूर्यदेव करुणाकर, अब करुणा कीजै।
हर अज्ञान मोह सब, तत्वज्ञान दीजै।। ॐ जय.....

।। श्री तुलसी जी की आरती।।

जय जय तुलसी माता। सबकी सुख दाता, वर माता।
सब योगों के ऊपर, सब रोगों के ऊपर,
रज से रक्षा करके भव त्राता। जय .....
बहु पुत्री है श्यामा, सूर वल्ली है ग्राम्या,
विष्णु प्रिय जो तुमको सेवे सो नर तर जाता। जय .....
हरि के शीश विराजत त्रिभुवन से हो वंदित,
पतित जनों की तारिणी तुम हो विख्याता। जय .....
लेकर जन्म बिजन में, आई दिव्य भवन में,
मानव लोक तुम्हीं से सुख संपति पाता। जय .....
हरि को तुम अति प्यारी श्याम वर्ण सुकुमारी,
प्रेम अजब है श्री हरि का तुम से नाता। जय .....

ANNUAL CLEARANCE
SALE
Upto 50% off
On Selected Items
Start on 20.07.2015
Saree | Bed Covers | Ladies Suits | Readymade | Dress Materials
Duries & Carpet | Dhoti | Furnishing Materials
handloom house
Sponsored By Govt. of India
GEL Church Complex, Gr. Floor, Main Road, Ranchi-1 Ph : 2331178